B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Rog Vigyan - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान की परिभाषा लिखकर, व्याधि के पर्यायवाची आदिबल व जन्मबल प्रवृत के वर्गीकरण पर प्रकाश डालें। 15

2. व्याधियों के नानात्मजत्व और सामान्यजत्व में विभेद उपरान्त, पितगत विकार पर संक्षिप्त रूप से विवेचन करें। 15

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।**
   - क) अष्टनिन्दित पुरुष 5
   - ख) अर्बुद 5
   - ग) शोथ 5

4. 'आम' की परिभाषा लिखकर साम व निराम दोषों के लक्षण लिखकर, साम वात-पित एवं साम कफ की लक्षण सहित व्याख्या करें। 15

5. हेतु के लक्षण व भेद लिखकर, पूर्वजन्म और सम्प्राप्ति का वर्णन करें। 15

6. **निम्नलिखित पर नोट लिखें।**
   - क) अन्तर्वेग 5
   - ख) त्रिविध परीक्षा 5
   - ग) संसर्गज व्याधियाँ 5

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Rog Vigyan - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आमवात (Rheumatoid Arthritis) रोग के निदान, लक्षण, प्रयोगशालीय परीक्षणों एवं साध्यसाध्यता का वर्णन करें। 15

2. अतिसार (Diarrhoea) एवं ग्रहणी में भेद लिखें तथा अतिसार रोग के निदान, भेद, लक्षण, एवं असाहय अतिसार का वर्णन करें । 15

3. प्रमेह रोग के सामान्य निदान व दोषानुसार भेद लिखें तथा मधुमेह का अर्वाचीन मतानुसार उल्लेख करें। 15

4. **निम्न रोगों के निदान, लक्षण व सम्प्राप्ति लिखें।** 15

   क) हनुग्रह

   ख) विश्वाची

   ग) तूनी - प्रतिलूनी

5. Vibrio chobra जीवाणु के प्रकार, निवास स्थान, स्वरूप, रञ्जन विधि, निर्जीवीकरण व कृत्रिम उत्पादन विधियों का उल्लेख करें। 15

6. सूत्रकृमि (Thread worm) का स्वरूप (Morphonolgy), जीवन चक्र, एवं कृमि से होने वाले चिन्ह व लक्षण लिखें । 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Agad Tantra Viyvhar Avam Vidhi Vaidyak - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. विष विज्ञान की परिभाषा लिखते हुए, विष की उत्पति, विषों के प्रकार व भदे अर्वाचीन एवं प्राचीन मतानुसार लिखिए। 15

2. जगंम विष में प्रधान कौन सा विष है ? उनकी चिकित्सा लिखें। 15

3. भारत में सामान्यता प्रयोग होने वाले चार विषों का परिचय, वर्गीकरण व उनसे उत्पन्न होने वाले लक्षणों एवं निदान, चिकित्सा एवं मृत्योत्तर, शव परीक्षण से प्राप्त होने वाले लक्षण लिखें। 15

4. विष की निरुत्वि लिख कर उसके 10 गुणों का, सविस्तार वर्णन कर खाया हुआ विष शरीर के किस प्रवेश में ठहरता है और उसके निश्कासन के क्या उपाय है? 15

5. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) कुचला विष का सापेक्ष।
   - ख) तामाल पत्र विषाक्तता के लक्षण लिखें।
   - ग) अर्लक विष के लक्षण व चिकित्सा।
   - घ) कार्बन डाइक्साइड
   - ङ) बंग की विषावता के लक्षण व चिकित्सा

6. **निम्न विषों की घातक मात्रा, घातक काल व सामान्य चिकित्सा लिखें।** 15
   - क) मधु मक्षिका
   - ख) गुंजा
   - ग) वत्सनाभ
   - घ) धतूरा
   - ङ) अर्क

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Agad Tantra Viyvhar Avam Vidhi Vaidyak - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मरणोपरांत शीघ्र (Early changes after death) होने वाले परिवर्तनों का वर्णन करो । 15

2. न्याय विज्ञान प्रयोगशालाओं में कौन-कौन से कार्यशील खण्ड (Working sections) होने चाहिए। 15

3. अग्निदग्ध व्रणों तथा तप्तद्रवदाह व्रणों में अंतर लिखकर तप्तद्रवदाह (Scalds) के कारण होने वाली मृत्यु के कारण स्पष्ट करो। 15

4. AIDS की चिकित्सकीय समस्याओं को लिखकर उन समस्याओं के निवारण (Remedy) के उपाय लिखो। 15

5. गर्मस्त्राव, गर्भपात तथा अपूर्णकालिक गर्भप्रसव में अंतर बताकर अपरार्धिक गर्भपात में पाए जाने वाले मृत्यु पश्चात् चिन्हों (Findings) का वर्णन करें । 15

6. **टिप्पणी लिखें**

   i) न्यायिक तथा पुलिस जांच में अंतर 5

   ii) Frigidity. 5

   iii) Types of medical evidence. 5

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Charak Samhita
(Poorvardha)

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रोगों के विविध कारणों को बताकर वात पित्त कफ के लक्षण एवं इनके चिकित्सा सूत्रों को लिखें। 15

2. चरक संहिता में अर्थ किसे कहा गया है ? आयुर्वेद के प्रयोजन को बताकर, विविध प्रकार के वैद्यों का वर्णन करें। 15

3. काल एवं बल सम्प्राप्ति को विस्तार से समझाकर ज्वर के चिकित्या सूत्र एवं ज्वर में घृत पान के महत्तव को बतायें। 15

4. नियम एवं अनियत आयु के सम्बन्ध में विस्तार से लिखकर दैव एवं पुरुषकार को संक्षेप में लिखें। 15

5. किन भावों से आत्मा सदा सदैव बँधी रहती है ? विस्तार से बताकर दीर्घायु बालक के लक्षण लिखें। 15

6. प्रकृति विकृति में परिवर्तन से अरिष्ट पैदा होते हैं? बताकर, अणुज्येतियोन्द्रियाध्याय विषयक अरिष्ट सामग्री को संक्षेप में लिखें। 15

.....

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Ras Shastra Avam Bhassajya Kalpana - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रसशास्त्र में 'रस' शब्द की स्पष्ट व्याख्या करते हुए 'रस औषधियों' की विशेषताओं की विशद् व्याख्या करें। 5 + 10

2. परिभाषा के ज्ञान की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए निम्न पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या करें। 3
   - अ) शोधन-मारण 6
   - ब) पुट एवं आधुनिक विद्युत भट्टियाँ 6

3. **निम्न पर टिप्पणी लिखें-** 15
   - अ) स्वेदन यंत्र 5
   - ब) सामान्य मूषा 5
   - स) सत्वयातन कोष्ठी 5

4. पारद के पर्याय, ग्राह्य एवं अग्रह्य पारद के लक्षण, पारद के गुण तथा पारद के मर्दन व मूर्च्छन संस्कार का वर्णन कीजिए।

5. **निम्न पर संक्षिप्त विवरण लिखें-**
   - अ) अमुक भस्म लोहितीकरण एवं अमृतीकरण 6
   - ब) माक्षिक विवेचन 9

6. **निम्नलिखित का सम्मक उल्लेख कीजिए।**
   - अ) त्रिविध लौहपाक 5
   - ब) उपरत्न (सामान्य परिचम) 5
   - स) कुपीलु 5

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Ras Shastra Avam Bhassajya Kalpana - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भैषज्य कल्पना की व्युत्पत्ति स्पष्ट करते हुए मैषज्य कल्पना के आधार भूत सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 15

2. मान किसे कहते है ? मान का प्रयोजन बताते हुए प्राच्य औट पाश्यात्य की दृष्टि से विभिन्न मानों का तुल्नात्मक वर्णन करो। 15

3. **निम्नलिखित कल्पों का परिचय, निर्माण विधि, मात्रा, गुण-उपयोग व अनुमान का विस्तृत वर्णन करो।** 15
   क) उदघोटक
   ख) लवण कल्प
   ग) रस क्रिया

4. स्नेहयाक के लक्षण स्पष्ट करते हुए दशमूलाटिष्ट के फहल द्रव्य, मात्रा एवं गुण-उपयोग का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15

5. आनन्द भैरव रस तथा रसोन वटी के घटक द्रव्य, निर्माण विधि, मात्रा एवं गुण-उपयोग लिखें।

6. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।** 15
   क) यूष
   ख) लेप के भेद
   ग) विडालक
   घ) मलहम
   ङ) धूम्रपान

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Dravyaguna Vigyan - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्रव्य की पंच भौतिकता सिद्ध करते हुए औषधत्व और युक्तियों द्वारा द्रव्य की प्रधानता सिद्ध करें। 15

2. विभिन्न आचार्यो के मत से रस संख्या का विवेचन करते हुए रस संख्या के निर्धारण के सामान्य सिद्धान्त का निरुपण करें। 15

3. प्रभाव की निरुक्ति एवं लक्षण का सोदाहरण वर्णन करते हुए समान प्रत्यारव्ध पर संक्षिप्त प्रकाश डालें। 15

4. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) चतुर्वीज
   - ख) षड्षण
   - ग) मिफला

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) व्यवायी
   - ख) विकाशी
   - ग) भेदन

6. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) जीवनय गण।
   - ख) अनुयान की परिभाषा एवं व्यवस्था।
   - ग) प्रियाव्रतकृत द्रव्य गुण विज्ञान।

.....

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Dravyaguna Vigyan - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. **अधोलिखित द्रव्यों का वानसपितक नाम मुख्य पर्याय एवं औषध योग लिखें** :- 15
   - अ) पर्पट
   - व) द्राक्षा
   - स) अर्जुन
2. **निम्नलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम प्रयोज्याङ्ग एवं औषध मात्रा का उल्लेख करें**- 15
   - अ) अरिष्टक
   - व) तगर
   - स) स्मुही
3. **निम्नलिखित द्रव्यों के पश्चिम एवं गुण कर्म लिखें** :- 15
   - अ) कस्तूरी
   - व) मुक्ता
   - स) शङ्ख
4. **निम्नलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम दो-दो पर्याय, गुणकर्म एवं आमयिम प्रयोग लिखें**- 15
   - अ) किराततिक्त
   - ब) पुनर्नवा
   - स) वत्सनाभ
5. **निम्नलिखित द्रव्यों के वानस्पतिक नाम, वानस्पतिक कुल, औषध मात्रा एवं विशिष्ट योग लिखें।** 15
   - अ) आरग्वध
   - ब) गुडूची
   - स) खदिर
6. **टिप्पणी लिखें।** 15
   - अ) वेदनास्थापन औषधियां
   - ब) जीवतिक्तियां (Vitamins)
   - स) कम्पिल्लक

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Swasthvritta - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ब्रह्मचर्य का लक्षण लिखते हुए, वीर्य की उत्पत्ति व जीवन में ब्रह्मचर्य की उपयोगिता पर प्रकाश डालें। 15

2. आहार के विशेष आयतन के बोर में वर्णन करते हुए, अपतर्पणजन्म रोगों के बारे में भी वर्णन करें। 15

3. दिनचर्या, रात्रिचर्या व ऋतुचर्या के बारे में विस्तार से लिखें। 15

4. जल के प्रभाव एवं गुण लिखते हुए जल की अशुद्धियों व उनका स्वास्थ्य पर क्या अहितकर प्रभाव पड़ता है, के बारे में भी लिखें। 15

5. संक्रात्मक रोग की परिभाषा लिखें तथा उनके प्रकार को लिखते हुए निसंक्रमण की भौतिक व रासायनिक विधियों के बारे में भी लिखें। 15

6. कुष्ठ प्समचतवेल) रोग क्या है ? उसके क्या कारण है ? लिखते हुए लक्षण व चिन्ह के बारे में लिखें तथा कुष्ठ रोग के प्रतिरोध के उपाय के बारे में भी लिखें। 15

.....

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2009/06

Swasthvritta - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'योग' शब्द की व्युत्पत्ति व परिभाषायें लिखकर यम तथा नियम का विस्तृत वर्णन करें। 15

2. प्राकृतिक चिकित्या का प्रयोजन तथा महत्व लिखते हुए "जल चिकित्सा" का विस्तृत वर्णन करें। 15

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें** :- 5x3=5
   क) योग प्रतिबन्धक तथा योग सिद्धिकर भाव
   ख) कुम्भक के भेद
   ग) अन्तरंग योग

4. प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण की परिभाषा तथा महत्वपूर्ण अंगों का उल्लेख करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति द्वारा सम्भावित योगदान का वर्णन करें। 15

5. परिवार कल्याण कार्यक्रम का विस्तृत वर्णन करें। 15

6. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें** - 5x3=5
   क) राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम
   ख) स्वास्थ्य सांख्यिकी
   ग) मीज़ल्स

.....